मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD–23

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि (एम. ए. हिन्दी)

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

एम.एच.डी.–23 : मध्यकालीन कविता—I

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : ***प्रथम*** *प्रश्न अनिवार्य है। शेष में से किन्हीं* ***तीन*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

---

1. निम्नलिखित पद्यांशों में से किन्हीं **दो** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 2×10=20

(क) हाट छट हेंटा येखन होई।

देखेंहि निसर मनुस और जोई॥

पहवा राम रमायन ककहीं।

गावँहि कबित नाच भल करहीं॥

बहुरूपिये बहु भेस भरावा।

बार बढ़ चलि देखै आवा॥

(ख) 'जिहि लगि तजेउँ सम घर बारू।

तिह बिन कस अब जीउँ अधारू।

चन्दन काटि कै चितई रची।

आन आग तिंह ऊपर सजी।

(ग) जिह्वा सो ओंकार जप, हत्थन सों कर कार।

राम मिलहि घर आइ कर, कहि रैदास विचार॥

(घ) चरन सम्त पताल जाके, सीस है आकाश।

सूर चन्द्र नक्षत्रा पाक, सर्व तासु प्रकाश॥

2. सूरदास की कविता में मौजूद संवेदना पर विचार कीजिए। 10

3. रसखान काव्य में मौजूद वियोग पक्ष पर प्रकाश डालिए। 10

4. निर्गुण काव्य के विभिन्न सोपानों का वर्णन कीजिए। 10

5. चंदायन तथा अन्य सूफी काव्यों की प्रेम पद्धति में अन्तर बताइए। 10

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $2 \times 5 = 10$

(क) रसखान

(ख) रविदास

(ग) मुल्लादाऊद

(घ) सूरदास

× × × × ×